साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार

Sahitya Akademi Yuva Puraskar

2013

गुजराती में पुरस्कृत

अशोक चावड़ा 'बेदिल'

(जन्म : 1978)

अशोक चावड़ा 'बेदिल' गुजराती कवि, आलोचक, अनुवादक और संपादक हैं। आपका जन्म 1978 में भावनगर, गुजरात में हुआ। संप्रति, आप गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी हैं। आपने पत्रकारिता एवं जनमाध्यम में पी–एच. डी. उपाधि प्राप्त की। आप साहित्य अकादेमी, गुजराती लेखक मंडल, इंडियन सोसायटी ऑफ़ ऑथर्स, गुजराती साहित्य परिषद् जैसी संस्थाओं से सक्रिय रूप से संबद्ध हैं। आपको दूरदर्शन और आकाशवाणी पर कविता–पाठ, कार्यक्रम–संचालन और कवि सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। आपकी प्रकाशित काव्यकृतियाँ हैं : *पगरव तलावमां* (2012), *तुं कहुं के तमे?* (2012), *पीट्यो अश्को* (2012), *डालखी थी साव छूटां* (2012), *दूर सुदूर अंतरिक्ष मा* (अनुवाद, 2013)। आपकी अन्य कृतियों में एक आलोचना पुस्तक, अंग्रेज़ी–गुजराती क्रिया कोश तथा दो अनुवाद शामिल हैं। आपको हिंदी, अंग्रेज़ी एवं उर्दू भाषाओं का भी ज्ञान है।

डाळखीथी साव छूटां अशोक चावड़ा 'बेदिल' कृत गुजराती कविता–संग्रह है, जो निश्चित रूप से कवि द्वारा विभिन्न काव्य विधाओं ग़ज़ल, गीत एवं मुक्त छंद में गहरी एवं सघन भावनाओं की अभिव्यक्ति है। यद्यपि आपकी कविताएँ गहरी जड़ें जमाए हुई जाति–व्यवस्था तथा दलितों के दमन पर केंद्रित हैं, जो पीढ़ियों से चली आ रही एक ऐतिहासिक, सामाजिक त्रासदी है; लेकिन पहले वे मनुष्य हैं, बाद में दलित का स्वर आपकी अधिकांश कविताओं में सुनाई पड़ता है। अशोक चावड़ा 'बेदिल' को उनकी पुस्तक *डाळखीथी साव छूटां* के लिए युवा पुरस्कार प्रदान करते हुए साहित्य अकादेमी प्रसन्नता का अनुभव कर रही है।

संपर्क

अशोक चावड़ा 'बेदिल'

3, मधुबन अपार्टमेंट्स

गायत्री ज्ञानपीठ के निकट, ओल्ड वडाज

अहमदाबाद 380013

मोबाइल : 09426680633

ई–मेल : a.chavda@yahoo.co.in

Gujarati

Award in Gujarati to

Ashok Chavda 'Bedil'

Dalkhi Thi Saav Chhutan

Poetry

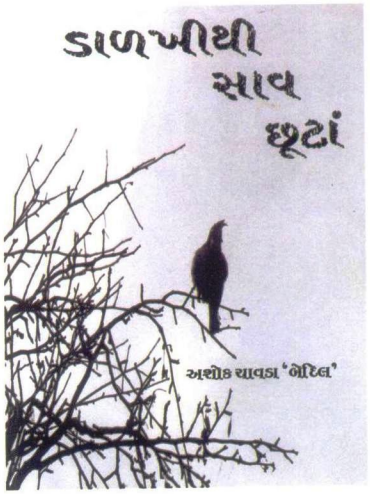

Ashok Chavda 'Bedil,' is a Gujarati poet, critic, translator and compiler. He was born in 1978 at Bhavnagar in Gujarat. At present he is the Information and Public Relations Officer at Gujarat Ayurved University and has a Ph.D. in Journalism and Mass Media. He has been associated with literary organizations such as Sahitya Akademi, Gujarati Lekhak Mandal, Indian Society of Authors, Gujarati Sahitya Praishad, All India Radio etc. His poetry collections include *Pagarav Talaav Ma* (2012), T*u Kahu Ke Tame* (2012), *Pityo Ashko* (2012), *Dalkhi Thi Saav Chhutan* (2012), *Door Sudoor Aantariks Ma* (Translation) (2013). His other works include a book on literary criticism, Eng-Guj verb dictionary and two translations. Besides Gujarati, he knows Hindi, English and Urdu.

Dalkhi Thi Saav Chhutan is a collection of poems in Gujarati by Ashok Chavda 'Bedil,' which is essentially a collection of deep and intense emotions of the poet well-expressed in different forms of poetry – ghazal, geet and free-verse. Though his poems are centered around the deep rooted caste system and the shattered dreams of Dalit, the historical, social tragedy that has been passed on from generation to generation, still he is a human being first and then a Dalit which echoes in most of his poems. Sahitya Akademi is happy to confer its Yuva Puraskar on Ashok Chavda 'Bedil,' for his book *Dalkhi Thi Saav Chhutan*.

Address:

Ashok Chavda 'Bedil'

3, Madhuban Apartments

Near Gayatri Gyanpith, Old Wadaj

Ahemdabad – 380 013

Mob: 09426680633

E-mail: a.chavda@yahoo.co.in

www.sahitya-akademi.gov.in

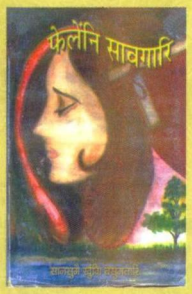

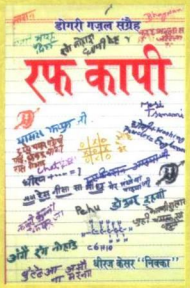

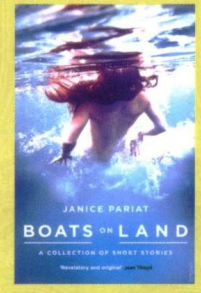

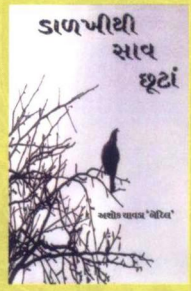

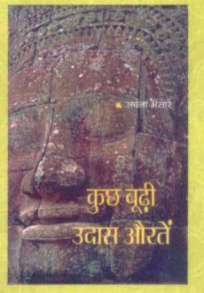

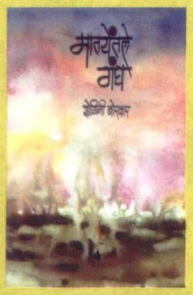

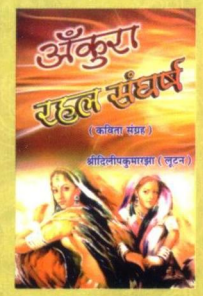

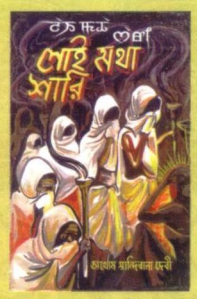

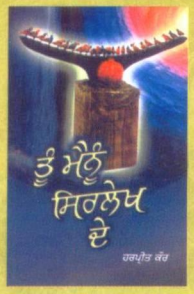

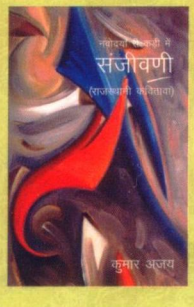

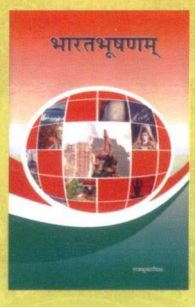

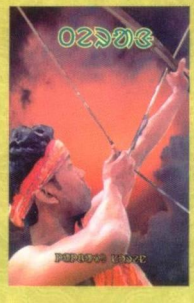

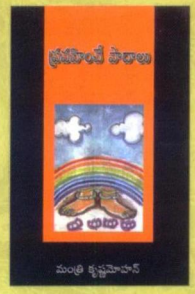

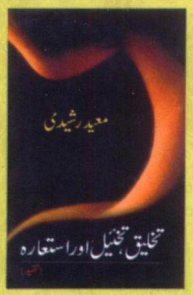

SAHITYA AKADEMI
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road,
New Delhi - 110001
Phone: +91 11 23386626-28
Fax: +91 11 23382428
Email: secretary@sahitya-akademi.gov.in